

Living the

LOTUS

Buddhism in Everyday Life

10 2015

VOL. 121

संस्थापकको निबन्ध

निरन्तरता का गुण

जब किसी कार्य को करना मुझे उपयोगी लगता है मैं उस कार्य को करने का अभ्यास प्रत्येक दिन करता हूँ। जब मैं किसी कार्य का प्रारम्भ करता हूँ उसे अनवरत करता हूँ, उसे छोड़ नहीं जाता हूँ। ऐसा लगता है कि हमसब वैसी चीजें जिसे अपने लिए लाभदायक समझते करने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग उन पर तत्क्षण अमल करते हैं तो कुछ लोग उन पर ध्यान नहीं देते हैं। कुछ लोग उन पर अमल करने के दिन से ही नियमित रूप से कार्यरत रहते हैं तो कुछ लोग प्रारम्भ करते हैं परन्तु अतिशीघ्रसमाह या दस दिन में छोड़ देते हैं।

लोगों में कार्य में लगे रहने के प्रति जो अन्तर है वह उनके प्रवृत्ति एवं प्रकृति के बीच की दूरी को दर्शाता है।

जब लोग सुनते हैं कि “यदि तुम केवल दूसरों की खुशी की बात सोचते हो तो तुम सहज ही खुश होगे,” सभी इससे सहमत होंगे तथा

कहेंगे- “हाँ हम इसे सार्थक देखते हैं।” वे निश्चित रूप से हर्षित होंगे, यदि वे ऐसा निरन्तर सोचते हैं। अन्तराल में उनका संकल्प डिग जाता है और सोचने लगते हैं कि स्वयं पर भी थोड़ा ध्यान देना चाहिए नहीं तो हम जीवन में पिछड़ जाएँगे। फलस्वरूप वे अन्ततः खुशी मिलने की संभावना को खो देते हैं।

सर्वप्रथम हर परिस्थिति में इस देशना में दृढ़ विश्वास हो, सह धर्मानुयायियों में दृढ़ आस्था हो जो तुम्हारे विश्वास से डिगने की हालत में या हतोत्साहित किये जाने पर तुझमें विश्वास जगाएँ तुझे प्रोत्साहित करें। तब तुम सामने आनेवाली कठिनाइयों से आसानी से निपट सकते हो।

सौजन्य-कोइसोजुकान (कोसेई पब्लिसिंग को०) पृ० 116-117

Living the Lotus
Vol. 121 (October 2015)

Published by Rishso Kosei-kai International,
Fumonkan, 2-6-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224

Email: shanzai.rk-international@kosei-kai.or.jp

Senior Editor: Shoko Mizutani

Copy Editor: Parmita Shekhar

Editor: Etsuko Nakamura

Editorial Staff of RK International

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग हैं।

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

श्रद्धा से प्लावित मन

निचिनो निवानो
रिश्शो कोसेइ काई अध्यक्ष

मानव की भाँति जीना

यदि कोई चीज मनोनुकूल नहीं होती है हम चिन्तित होते हैं पश्चाताप करते हैं। उदाहरण स्वरूप जब पति एवं पत्नी या सास एवं पुत्रवधु के मध्य सम्बन्ध कटु हो जाता है, इस पररिस्थिति में वे एक दूसरे से अलग ढंग के व्यवहार की अपेक्षा रखते हैं, परन्तु ऐसा नहीं होता है कि क्या ऐसा नहीं होता है? दूसरे शब्दों में चिन्ता और दुःख का कारण स्वयं में है।

लोग एवं चीजें वैसी हो जाय जैसी पूर्व थीं, ऐसे आत्मकेन्द्रित विचारों में परिवर्तन लाने की कोशिश में हम देखेंगे कि वातावरण एवं परिस्थितियाँ नहीं बदलती हैं लेकिन जिनके लिए अबतक चिन्तित थे जादू के समान विलीन हो जाती हैं। यहाँ तक कि हमारे देखने के दृष्टिकोण में परिवर्तन हमारे आनन्द का बीज हो सकता है। हम ऊपर आकाश एवं पृथ्वी पर की समस्त चीजों के एक भाग हैं। उस प्राकृतिक परिमण्डल के जीवजन्तु पेड़पौधे हमारी तरह चिन्ता नहीं करते हैं। हम अपने मन को स्वार्थपरक विचारों से तथा दूसरों के प्रति नफ़रत से, जो मानव में विशेष रूप से है, मुक्त कर सकते हैं तो हमारा ईर्ष्या द्वेष समाप्त हो जाएगा और हम चीजें जैसी हैं उन्हें उसी रूप में स्वीकार करने में समर्थ होंगे और अनावश्यक दुःख संताप से मुक्त जीवन बिता सकेंगे।

कार्य हमें शिक्षा देता है मार्ग दिखलाता है कि कैसे अपने मन को मुक्त करें तथा प्रबुध प्राणी की तरह जीवन यापन कर सकें। फिर भी श्रद्धाविश्वास के क्षेत्र में बहुत सारी पहलुएँ पूर्णतः समझ में नहीं आती हैं। एक दिन किसी व्यक्ति ने मुझ से पूछा- वैसे लोगों को जिन्हें विश्वास नहीं है जिनमें श्रद्धा नहीं है उन्हें बुद्धधर्म की शिक्षा का बोध कराते समय हमारा आचरण कैसा होना चाहिए?

मैंने कहा-उन को आमतौर पर बातचीत करने के प्रसंग में कुछ कहना उत्तम नहीं है या उन्हें दबाव में लाकर बात करना भी उचित नहीं है। कारण, बोधिधर्म में अभ्यास के द्वारा श्रद्धा उत्पन्न होने का



अर्थ है उनमें बोधिचित्त का एवं अनुकम्पाय चित्त का उत्पन्न होना है तथा दूसरों की चिन्ता करना है। यदि कोई तुम से सलाह मशविरा करता है तो मेरे विचार से उससे सहजभाव से बातें करनी चाहिए जिससे उसका मनचित्त शान्त हो। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में ऐसा समय आता है जब वह किसी तरह के दुःखसंताप से घिर जाता है। उसमें मुक्ति पाने की कामना प्रबल हो जाती है। उस समय उस व्यक्ति के प्रति सच्चे दिल से सद्भावना प्रकट करनी चाहिए तथा उसे अपने करीब लाने का प्रयास करना चाहिए।

स्वयं को उदाहरण रूप में प्रस्तुत करो

इस प्रकाश में चीजों को लेने पर धर्म एवं श्रद्धाविश्वास के सम्बन्ध अविश्वास एवं गलतफ़मियाँ दूर हो जाएँगी या बढ़ेंगी यह इस पर निर्भर करता है कि हम धर्मावलम्बी जीवन में किस प्रकार के सोचविचार का प्रदर्शन करते हैं। संस्थापक निक्यो निवानो की रचनाओं में यह पंक्ति आया है- “तुझे भूलना नहीं चाहिए कि शिक्षा के प्रचार कार्य में स्वयं को उदाहरण रूप में प्रस्तुत करें।”

उदाहरण स्वरूप कोई स्वयंसेवक के रूप में अपने समाज के क्षेत्र की सफाई का भार अपने ऊपर लेता है। उसका यह कार्य धर्म में अनास्था रखने वाले की नजर में भी सकारात्मक कदम के रूप में स्वीकार्य होगा। इस कार्य को समाज के प्रति दानयोग कहा जाएगा जिसमें समाज की चिन्ता निहित है। फिर भी वैसे लोग जो इसमें स्वधर्मपरायणता एवं विशिष्टकार्य के भाव को देखते हैं और मानते हैं कि “हमारे बुद्ध सर्वोत्तम सर्वोपरि हैं” इससे उनमें धर्म की समझ की दूरी घटने के वजाय अनास्थाभाव और प्रगाढ़ होगा। प्रसंग में विश्वशान्ति की कामना के प्रति दृढसंकल्प व्यक्ति अपने को सदा सजग रखें कि किसी भी प्रकार की स्वधर्मपरायणता का भाव धर्मों एवं राष्ट्रों के मध्य समभाव को बढ़ाने में अडचन उत्पन्न करेगा। यह महत्त्वपूर्ण है कि हम स्वयं को उदाहरण के रूप में रखें एवं दूसरों के प्रति अपनी चिन्ता एवं दानभावनायुक्त चित्त का विकास करें।

इस संबन्ध में सद्धर्मपुण्डरीक सूत्र का तथ्यगतायुष्प्रमाण परिवर्त की पंक्तियाँ उस श्रद्धाविश्वास के मूलस्रोत की ओर पुनः ले जाएँगी-

सदा मेरी चिन्ता रहती है
कैसे प्राणियों को
अग्रमार्ग में प्रवेश करा दूँ
और वे शीघ्र अग्रबोधि प्राप्त कर लें।

मेरी सदा कामना रही है कि सभी बुद्धत्व प्राप्त कर लें तथा सुखानन्द से प्लावित रहें - इस प्रकार हम बुद्ध की कामना को अपनी कामना बनाकर उसे अटूट निर्वाह का व्रत लें। दूसरे

प्राणियों को ध्यान में रखकर निष्कपटभाव से दैनिक जीवन यापन में विनम्र रहें। यह व्यक्तिगत जीवन में बड़ा महत्त्व रखता है। जैसे जैसे हमारे जीवन का तौरतरीका आसपास के लोगों के बीच मान्य होगा हम उनको बुद्धमार्ग में अनुरक्त कराने में समर्थ होंगे। यह श्रद्धाविश्वास से अर्जित महापुण्य फल है।

मेरे विचार में संस्थापक निक्यो निवानो के इस अक्टूबर के सतरहवें पुण्यतिथि के आयोजन के अवसर पर उनका दिशानिर्देश मिलेगा।

“कोसेइ” अक्तूबर सन्स्करण बाट



Living the LOTUS

आपके विचार प्रार्थनीय है !

न्यूज लेटर के “पुण्डरीक को जीना: दैनिक जीवन में बौद्धधर्म” पर अपने विचार भेजने के लिए हमारा आपसे सादर आग्रह है। अपना विचार इस email- living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp भेजें।

रिशशो कोसेई कार्ड



Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers

2015

Rissho Kosei-kai International

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A.
Tel: 1-323-262-4430 Fax: 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Rd. Clearwater, FL 33764, USA
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 Fax: 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 Fax: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 Fax: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 Fax: 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
Tel: 1-210-561-7991 Fax: 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 Fax: 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 Fax: 1-253-945-0261
e-mail: rkseattle@juno.com
http://www.buddhistLearningCenter.com

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 Fax: 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel: 1-773-842-5654
e-mail: murakami4838@aol.com
http://home.earthlink.net/rkchi/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Fort Myers

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls

1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver

1571 Race Street, Denver, Colorado 80206, U.S.A.
Tel: 1-303-810-3638

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

635 Kling Dr, Dayton, OH 45419, U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377
Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Zhongzheng District, Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 Fax: 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung

No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401, Taiwan
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 Fax: 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 Fax: 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai

6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 Fax: 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Pusan

1258-13, Dae-Hyun-2-dong, Nam-ku, Kwang-yok-shi, Pusan, 608816,
Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 Fax: 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong,
Special Administrative Region of the People's Republic of China
Tel & Fax: 852-2-369-1836

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

15f Express tower, Enkh taiwii urgun chuluu, 1st khoroo, Chingeltei district, Ulaanbaatar, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Roma

Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK**Rissho Kosei-kai of Venezia**

Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris

86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

Rissho Kosei-kai of Sydney**International Buddhist Congregation (IBC)**

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Sugunami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 Fax: 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp http://www.ibrk.org/

Rissho Kosei-kai of South Asia Division

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Sugunami, Tokyo, 166-8537, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Thai Rissho Friendship Foundation

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka

House No.467, Road No-8 (East), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani

Maitree Sangha, Mayani Bazar, Mayani Barua Para, Mirsarai,
Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya

Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama

Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar

Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria

Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham

Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan

West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni

Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Ramu**Rissho Kosei-kai Dhamma Foundation, Sri Lanka**

382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralesgamuwa, Sri Lanka
Tel & Fax: 94-11-2826367

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**Rissho Kosei-kai of Habarana**

151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Branches under the South Asia Division**Rissho Kosei-kai of Central Delhi**

224 Site No.1, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi,
110060, India

Rissho Kosei-kai of West Delhi

66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal
Tel: 977-1-552-9464 Fax: 977-1-553-9832
e-mail: nrkk@wlink.com.np

Rissho Kosei-kai of Singapore**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Other Groups**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**